खंड V

परिदृश्य

श्री राज MBA हैं और मुंबई में एक बहुराष्ट्रीय कंपनी में कार्यरत हैं। वह मुंबई में एक किराए के मकान में रह रहे हैं, जिसका किराया वह ₹ 70,000 प्रति माह देते हैं। कोलकाता में उनका एक घर है जिसमें उनके माता-पिता रहते हैं। उन्होंने बैंक ऑफ इंडिया से ऋण लेकर दो वर्ष पहले यह मकान खरीदा था। वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए ₹ 3,00,000 का ब्याज देय है, जिसमें से उन्होंने वर्ष के दौरान ₹ 2,75,000 का भुगतान किया है। उन्होंने वर्ष के दौरान बैंक ऑफ इंडिया को ₹ 1,50,000 का मूलधन चुकाया। इस घर के संबंध में उन्होंने इस वर्ष ₹ 5,000 का नगरपालिका कर चुकाया है। उन्होंने पुणे में एक खाली जमीन ₹ 25,00,000 में बेची। उन्होंने यह जमीन पिछले साल ₹ 20,00,000 में खरीदी थी। उन्होंने एबीसी लिमिटेड के सूचीबद्ध इक्विटी शेयर ₹ 4 लाख में बेचे। उन्होंने ये शेयर वर्ष 2023 में ₹ 6.50 लाख में खरीदे थे। खरीद और बिक्री दोनों समय प्रतिभूति लेनदेन कर का भुगतान किया गया है। वर्ष के दौरान, उन्होंने लॉटरी में ₹ 50,000 जीते। उनकी दो बेटियां हैं जो मुंबई के एक प्रतिष्ठित स्कूल में कक्षा IX और XI में पढ़ रही हैं। उनके द्वारा प्रति माह प्रत्येक बच्चे के लिए भुगतान की जाने वाली ट्यूशन फीस ₹ 5,500 है। उनकी बड़ी बेटी, जिसकी उम्र 15 वर्ष है, एक प्रतिभाशाली नर्तकी है। उसने वर्ष के दौरान अपने द्वारा किए गए नृत्य कार्यक्रमों से ₹ 30,000 कमाए। उसने उक्त राशि बैंक में जमा कर दी और ₹ 3,000 का ब्याज कमाया। श्री राज की पत्नी एक निजी स्कूल में शिक्षिका हैं जिनका मासिक वेतन ₹ 40,000 है। उनकी कोई अन्य आय नहीं है।

श्री राज के भाई राहुल कपड़ा निर्माण का व्यवसाय करते हैं। इस वर्ष और पिछले वर्ष उनका कुल कारोबार लगभग ₹4 करोड़ रहा। उनकी 90% प्राप्तियाँ अनुमत इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों से और शेष 10% नकद में होती हैं। सभी भुगतान अनुमत इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों से ही किए जाते हैं। उन्होंने मई, 2025 में ₹5 लाख की लागत से नया संयंत्र और मशीनरी स्थापित की है। वर्ष 2025-26 के लाभ-हानि विवरण के अनुसार उनका शुद्ध लाभ ₹40,50,000 है। आयकर नियम, 1962 के अनुसार गणना की गई सामान्य मूल्यह्रास राशि को लाभ-हानि विवरण में डेबिट कर दिया गया है। हालाँकि, उनके लिए उपलब्ध अतिरिक्त मूल्यह्रास, यदि कोई हो, अभी तक लागू नहीं हुआ है।

© भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान

इस वर्ष, उन्होंने अपने व्यवसाय से संबंधित ₹ 2 लाख का आंतरिक वैज्ञानिक अनुसंधान व्यय किया। उन्होंने वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए IIT, दिल्ली को ₹ 50,000 का योगदान भी दिया। वैज्ञानिक अनुसंधान व्यय और वैज्ञानिक अनुसंधान में योगदान को लाभ और हानि के विवरण में डेबिट नहीं किया गया है। उन्होंने 1 जून, 2025 से ₹ 20,000 प्रति माह के वेतन पर 20 नए कर्मचारियों को नियुक्त किया था। उनके वेतन को लाभ और हानि के विवरण में डेबिट किया गया है। राहुल ने बैंगलोर में अपना अपार्टमेंट किराए पर दिया है जिससे उन्हें ₹ 30,000 प्रति माह किराया मिलता है। वह इस अपार्टमेंट के संबंध में ₹ 4,000 का नगरपालिका कर चुकाते हैं। इस घर की खरीद के लिए एक्सिस बैंक से लिए गए आवास ऋण के संबंध में वह इस वर्ष ₹ 3,00,000 का ब्याज देते हैं। वह आयकर अधिनियम, 1961 के अंतर्गत सभी वैधानिक आवश्यकताओं का समय पर अनुपालन करते रहे हैं।

ऊपर दिए गए विवरण और नीचे दिए गए आय गणना पत्रक के कॉलम (1) और (2) से, नीचे दिए गए आय गणना पत्रक में छायांकित बॉक्स में भरे जाने वाले आंकड़े, यदि कोई हों, ज्ञात कीजिए -

- **धारा 115BAC के अनुसार डिफ़ॉल्ट कर व्यवस्था के तहत कॉलम (3) में (कॉलम 3 के आंतरिक और बाहरी दोनों कॉलम) और**
- **अधिनियम के सामान्य प्रावधानों के अनुसार वैकल्पिक कर व्यवस्था के तहत कॉलम (4) (कॉलम 4 के आंतरिक और बाहरी दोनों कॉलम) में।**

याद रखें, हो सकता है कि आपको कुछ छायांकित बॉक्स में कुछ भी भरने की आवश्यकता न पड़े। साथ ही, यह भी याद रखें कि आपको अपनी गणना करते समय ऊपर दिए गए विवरण के साथ-साथ नीचे दिए गए आय गणना पत्रक के कॉलम (1) और (2) में दिए गए तथ्यों पर भी विचार करना होगा। ऊपर दिए गए विवरण में दिए गए कुछ तथ्य नीचे कॉलम (2) में भी दोहराए गए हैं।

निर्धारण वर्ष 2026-27 के लिए कुल आय निर्धारित करने के बाद, दोनों कर व्यवस्थाओं के अंतर्गत श्री राज और श्री राहुल की कर देयता जानने के लिए कर गणना पत्रक भरें। अपनी गणना के आधार पर, राज और राहुल को सलाह दें कि उन्हें अपनी कर देयता को अधिकतम करने के लिए डिफ़ॉल्ट कर व्यवस्था के अंतर्गत कर का भुगतान करना चाहिए या नहीं। धारा 234B और 234C के अंतर्गत, यदि कोई ब्याज हो, तो उसे नज़रअंदाज़ करें।

© भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान

श्री राज की निर्धारण वर्ष 2026-27 के लिए कुल आय की गणना

(1)	(2)	(3)		(4)	
विवरण	राशि ₹ में [वास्तविक राशि]	धारा 115BAC के अनुसार डिफ़ॉल्ट कर व्यवस्था के अंतर्गत		अधिनियम के सामान्य प्रावधानों के अनुसार वैकल्पिक कर व्यवस्था के अंतर्गत	
		₹	₹	₹	₹
<u>वेतन</u>					
मूल वेतन = ₹ 2,00,000 प्रति माह	24,00,000	24,00,000		24,00,000	
महंगाई भत्ता मूल वेतन का 40% [महंगाई भत्ता सेवानिवृत्ति लाभों के वेतन का हिस्सा है]	9,60,000	9,60,000		9,60,000	
मकान किराया भत्ता मूल वेतन का 30%	7,20,000	7,20,000		2,16,000	
बाल शिक्षा भत्ता प्रत्येक बच्चे के लिए ₹ 3,000 प्रति माह	72,000	72,000		69,600	
परिवहन भत्ता ₹ 4,000 प्रति माह	48,000	48,000		48,000	
मनोरंजन भत्ता ₹ 2,000 प्रति माह	24,000	24,000		24,000	
नियोक्ता द्वारा भुगतान किया गया व्यावसायिक कर (₹ 4,800 के व्यावसायिक कर का 50%। शेष 50% श्री राज द्वारा भुगतान किया जाता है)	2,400	2,400		2,400	
सकल वेतन		**42,26,400**		**37,20,000**	

© भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान

(1)	(2)	(3)		(4)	
विवरण	**राशि ₹ में [वास्तविक राशि]**	**धारा 115BAC के अनुसार डिफ़ॉल्ट कर व्यवस्था के अंतर्गत**		**अधिनियम के सामान्य प्रावधानों के अनुसार वैकल्पिक कर व्यवस्था के अंतर्गत**	
		₹	**₹**	**₹**	**₹**
कम: **धारा 16 के तहत कटौती**					
मानक कटौती		75,000		50,000	
मनोरंजन भत्ता		शून्य		शून्य	
व्यावसायिक कर का भुगतान		शून्य		4,800	
शुद्ध वेतन			**41,51,400**		**36,65,200**
गृह संपत्ति से आय (कोलकाता में)					
सकल वार्षिक मूल्य		शून्य		शून्य	
कम: श्री राज द्वारा भुगतान किए गए नगरपालिका कर	5,000	शून्य		शून्य	
शुद्ध वार्षिक मूल्य		**शून्य**		**शून्य**	
कम: धारा 24 के तहत कटौती					
NAV का 30%		शून्य		शून्य	
फ्लैट खरीदने के लिए आवास ऋण पर देय ब्याज		शून्य		2,00,000	
इस शीर्षक के अंतर्गत आय/हानि			**शून्य**		**(2,00,000)**

© भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान

(1)	(2)	(3)		(4)	
विवरण	राशि ₹ में [वास्तविक राशि]	धारा 115BAC के अनुसार डिफ़ॉल्ट कर व्यवस्था के अंतर्गत		अधिनियम के सामान्य प्रावधानों के अनुसार वैकल्पिक कर व्यवस्था के अंतर्गत	
		₹	₹	₹	₹
पूंजीगत लाभ					
भूमि की बिक्री पर पूंजीगत लाभ - STCG/~~LTCG~~ (जो भी गलत हो उसे काट दें)	5,00,000	5,00,000		5,00,000	
शेयरों की बिक्री पर पूंजीगत हानि - ~~STCL~~/LTCL (जो भी गलत हो उसे काट दिया जाएगा)	(2,50,000)	-		-	
क्या शेयरों की बिक्री पर हुई पूंजीगत हानि को भूमि की बिक्री पर हुए पूंजीगत लाभ के विरुद्ध समायोजित किया जा सकता है?	~~हाँ~~/नहीं				
यदि हाँ, तो शुद्ध राशि को कॉलम 3 और 4 के भीतरी कॉलम में लिखें। अन्यथा, सकल राशि को कॉलम 3 और 4 के भीतरी कॉलम में लिखें।		5,00,000		5,00,000	
इस मद के अंतर्गत आय			**5,00,000**		**5,00,000**
अन्य स्रोतों से आय					
बचत बैंक खाते पर ब्याज	11,000	11,000		11,000	

© भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान

(1)	(2)	(3)		(4)	
विवरण	**राशि ₹ में [वास्तविक राशि]**	**धारा 115BAC के अनुसार डिफ़ॉल्ट कर व्यवस्था के अंतर्गत**		**अधिनियम के सामान्य प्रावधानों के अनुसार वैकल्पिक कर व्यवस्था के अंतर्गत**	
		₹	**₹**	**₹**	**₹**
सावधि जमा पर ब्याज	25,000	25,000		25,000	
लॉटरी से आय	50,000	50,000		50,000	
नाबालिग बच्चे की आय - क्या उसकी आय में शामिल है? यदि हाँ, तो कौन सी आय और कितनी?					
नृत्य शो से आय - ~~सम्मिलित~~/अ सम्मिलित (जो गलत हो उसे काट दें)	30,000	शून्य		शून्य	
बैंक जमा से आय - सम्मिलित/~~अ सम्मिलित~~ (जो गलत हो उसे काट दें)	3,000	3,000		1,500	
इस मद के अंतर्गत आय			**89,000**		**87,500**
सकल कुल आय			**47,40,400**		**40,52,700**
कम: **कटौती के अंतर्गत अध्याय VI-A**					
धारा 80C के तहत		शून्य		1,50,000	

© भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान

(1)	(2)	(3)		(4)	
विवरण	राशि ₹ में [वास्तविक राशि]	धारा 115BAC के अनुसार डिफ़ॉल्ट कर व्यवस्था के अंतर्गत		अधिनियम के सामान्य प्रावधानों के अनुसार वैकल्पिक कर व्यवस्था के अंतर्गत	
		₹	₹	₹	₹
धारा 80TTA के तहत		शून्य		10,000	
अध्याय VI-A के अंतर्गत कुल कटौतियाँ			शून्य		1,60,000
कुल आय			**47,40,400**		**38,92,700**
हानि, यदि कोई हो, को निर्धारण वर्ष 2027-28 तक आगे ले जाया जाएगा (यहां हानि की प्रकृति और स्तंभ 3 और 4 के बाहरी स्तंभों में राशि का उल्लेख करें)			**LTCL (2,50,000)**		**LTCL (2,50,000)**

© भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान

श्री राज की कर देयता की गणना निर्धारण वर्ष 2026-27 के लिए

धारा 115BAC के अनुसार डिफ़ॉल्ट कर व्यवस्था के अंतर्गत		अधिनियम के सामान्य प्रावधानों के अनुसार वैकल्पिक कर व्यवस्था के अंतर्गत	
विवरण	**₹**	**विवरण**	**₹**
कुल आय पर कर		**कुल आय पर कर**	
पूंजीगत लाभ पर कर [धारा 112/112ए/111ए के तहत, यदि लागू हो]	शून्य	पूंजीगत लाभ पर कर [धारा 112/112ए/111ए के तहत, यदि लागू हो]	शून्य
₹ 50,000 की लॉटरी आय पर कर	15,000	₹ 50,000 की लॉटरी आय पर कर	15,000
शेष कुल आय पर कर		**शेष कुल आय पर कर**	
₹ 4,00,000 तक	शून्य	₹ 2,50,000 तक	शून्य
> ₹ 4,00,000 ≤ ₹ 8,00,000@5%	20,000	> ₹ 2,50,000 ≤ ₹ 5,00,000@5%	12,500
> ₹ 8,00,000 ≤ ₹ 12,00,000@10%	40,000	> ₹ 5,00,000 ≤ ₹ 10,00,000@20%	1,00,000
> ₹ 12,00,000 ≤ ₹ 16,00,000@15%	60,000	> ₹ 10,00,000[**28,42,700**@30%]	8,52,810
> ₹ 16,00,000 ≤ ₹ 20,00,000@20%	80,000	**कुल कर देयता (उपकर से पहले)**	9,80,310
> ₹ 20,00,000 ≤ ₹ 24,00,000@25%	1,00,000	*जोड़ें :* स्वास्थ्य एवं शिक्षा उपकर 4%	39,212
> ₹ 24,00,000 [**22,90,400**@30%]	6,87,120	**कुल कर देयता**	**10,19,522**
कुल कर देयता (उपकर से पहले)	**10,02,120**	**कुल कर देयता (पूर्णांकित)**	**10,19,520**
जोड़ें: स्वास्थ्य एवं शिक्षा उपकर 4%	40,085		
कुल कर देयता	**10,42,205**		
कुल कर देयता (पूर्णांकित)	**10,42,210**		

© भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान

राज को किस कर व्यवस्था के तहत आयकर देना चाहिए? अपना जवाब यहाँ लिखें
राज को डिफ़ॉल्ट कर व्यवस्था से बाहर निकलना चाहिए और अधिनियम के सामान्य प्रावधानों के अनुसार वैकल्पिक कर व्यवस्था के तहत कर का भुगतान करना चाहिए, क्योंकि कर निर्धारण वर्ष 2026-27 के लिए उनकी कर देयता ₹22,690 (₹10,42,210 - ₹10,19,520) कम होगी।

श्री राहुल की निर्धारण वर्ष 2026-27 के लिए कुल आय की गणना

(1)	(2)	(3)		(4)	
विवरण	**राशि ₹ में**	**धारा 115BAC के अनुसार डिफ़ॉल्ट कर व्यवस्था के अंतर्गत**		**अधिनियम के सामान्य प्रावधानों के अनुसार वैकल्पिक कर व्यवस्था के अंतर्गत**	
		₹	**₹**	**₹**	**₹**
गृह संपत्ति से आय (बैंगलोर में)					
सकल वार्षिक मूल्य [अन्य जानकारी के अभाव में प्राप्त किराया GAV के रूप में लिया जाता है]	3,60,000	3,60,000		3,60,000	
घटाएँ: श्री राहुल द्वारा भुगतान किया गया नगरपालिका कर	4,000	4,000		4,000	
शुद्ध वार्षिक मूल्य		**3,56,000**		**3,56,000**	
घटाएँ : **धारा 24 के तहत कटौती**					
NAV का 30%		1,06,800		1,06,800	

© भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान

(1)	(2)	(3)		(4)	
विवरण	**राशि ₹ में**	**धारा 115BAC के अनुसार डिफ़ॉल्ट कर व्यवस्था के अंतर्गत**		**अधिनियम के सामान्य प्रावधानों के अनुसार वैकल्पिक कर व्यवस्था के अंतर्गत**	
		₹	**₹**	**₹**	**₹**
अपार्टमेंट खरीदने के लिए आवास ऋण पर देय ब्याज	3,00,000	3,00,000		3,00,000	
इस मद के अंतर्गत हानि		(50,800)		(50,800)	
- PGBP के विरुद्ध समायोजित किया जाना; या			-		(50,800)
- आगे बढ़ाया जाना		-		-	
व्यवसाय और पेशे से लाभ और प्राप्ति (PGBP)					
लाभ और हानि विवरण के अनुसार शुद्ध लाभ	40,50,000	40,50,000		40,50,000	
घटाएँ : **स्वीकार्य कटौती लेकिन लाभ और हानि विवरण में डेबिट नहीं की गई**					
अतिरिक्त मूल्यह्रास		शून्य		1,00,000	
आंतरिक वैज्ञानिक अनुसंधान व्यय	2,00,000	2,00,000		2,00,000	

© भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान

(1)	(2)	(3)		(4)	
विवरण	**राशि ₹ में**	**धारा 115BAC के अनुसार डिफ़ॉल्ट कर व्यवस्था के अंतर्गत**		**अधिनियम के सामान्य प्रावधानों के अनुसार वैकल्पिक कर व्यवस्था के अंतर्गत**	
		₹	**₹**	**₹**	**₹**
वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए आईआईटी में योगदान	50,000	शून्य		50,000	
इस मद के अंतर्गत आय			38,50,000		37,00,000
सकल कुल आय			**38,50,000**		**36,49,200**
घटाएँ: **अध्याय VI-A के अंतर्गत कटौतियाँ**					
धारा 80C के तहत			शून्य		1,50,000
धारा 80JJAA के तहत			12,00,000		12,00,000
कुल आय			**26,50,000**		**22,99,200**
यदि कोई हानि हो तो उसे निर्धारण वर्ष 2027-28 तक आगे ले जाया जाएगा			**शून्य**		**शून्य**

© भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान

श्री राहुल की कर देयता की गणना निर्धारण वर्ष 2026-27 के लिए

धारा 115BAC के अनुसार डिफ़ॉल्ट कर व्यवस्था के अंतर्गत		अधिनियम के सामान्य प्रावधानों के अनुसार वैकल्पिक कर व्यवस्था के अंतर्गत		
विवरण	**₹**		**विवरण**	**₹**
कुल आय पर कर		**(1)**	**कुल आय पर कर**	
₹ 4,00,000 तक	शून्य		₹ 2,50,000 तक	शून्य
> ₹ 4,00,000 ≤ ₹ 8,00,000@5%	20,000		> ₹ 2,50,000 ≤ ₹ 5,00,000@5%	12,500
> ₹ 8,00,000 ≤ ₹ 12,00,000@10%	40,000		> ₹ 5,00,000 ≤ ₹ 10,00,000@20%	1,00,000
> ₹ 12,00,000 ≤ ₹ 16,00,000@15%	60,000		> ₹ 10,00,000[**12,99,200**@30%]	**3,89,760**
> ₹ 16,00,000 ≤ ₹ 20,00,000@20%	80,000		कर देयता (उपकर से पहले)	**5,02,260**
> ₹ 20,00,000 ≤ ₹ 24,00,000@25%	1,00,000		*स्वास्थ्य एवं शिक्षा उपकर 4% जोड़ें*	20,090
> ₹ 24,00,000 [**2,50,000**@30%]	75,000		**कर देयता**	**5,22,350**
कुल कर देयता (उपकर से पहले)	**3,75,000**		**कर देयता (पूर्णांकित)**	**5,22,350**
जोड़ें : स्वास्थ्य एवं शिक्षा उपकर 4%	15,000			
कुल कर देयता	**3,90,000**	(2)	**समायोजित कुल आय और वैकल्पिक न्यूनतम कर की गणना करें**	
			अधिनियम के नियमित प्रावधानों के अनुसार कुल आय	22,99,200
			जोड़ें: धारा 80JJAA के तहत कटौती	12,00,000
			समायोजित कुल आय	**34,99,200**

© भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान

			वैकल्पिक न्यूनतम कर (एएमटी) - समायोजित कुल आय का 18.5%	6,47,352
			जोड़ें: स्वास्थ्य एवं शिक्षा उपकर 4%	25,894
			AMT देयता	**6,73,246**
			AMT देयता (पूर्णांकित)	**6,73,250**
		(3)	**राहुल की कर देयता [उपर्युक्त (1) और (2) में से उच्चतर]**	**6,73,250**

राहुल को किस कर व्यवस्था के तहत आयकर देना चाहिए? अपना जवाब यहाँ लिखें

राहुल को धारा 115BAC के अनुसार डिफ़ॉल्ट कर व्यवस्था के तहत कर का भुगतान करना चाहिए, क्योंकि उक्त व्यवस्था के तहत उसकी ₹3,90,000 की कर देयता, अधिनियम के सामान्य प्रावधानों के अनुसार ₹6,73,250 की कर देयता से ₹2,83,250 कम है। डिफ़ॉल्ट कर व्यवस्था के तहत कर बचत ₹2,83,250 है और यदि हम वैकल्पिक कर व्यवस्था के तहत उपलब्ध ₹1,50,900 (₹6,73,250 – ₹5,22,350) के एएमटी क्रेडिट पर भी विचार करें, तब भी डिफ़ॉल्ट कर व्यवस्था अधिक लाभदायक होगी।

© भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान